जनपद बिजनौर

प्रेस नोट – थाना नजीबाबाद **दिनांक 23.05.2024**

थाना नजीबाबाद पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 247/2024 धारा 323/379/504/506 भादवि में 03 वांछित अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार।

संक्षिप्त विवरण –

दिनांक 22.05.2024 को वादी श्री चन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री रामपाल निवासी ग्राम वीरूवाला थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर ने थाना नजीबाबाद पर तहरीर दी कि अभियुक्तों 1. प्रदीप पुत्र पप्पू 2. कोमल पुत्र कलवा निवासीगण ग्राम समीपुर अड्डा थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर व 3. शिवम पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम जुल्फपुकारपुर गढी थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर द्वारा वादी का मोबाइल फोन व 2000/- रुपये चोरी किये गये तथा वापस मांगने पर वादी के साथ गाली-गलौच कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी गयी। तहरीर के आधार पर थाना नजीबाबाद पर मु0अ0सं0 247/2024 धारा 323/379/504/506 भादवि पंजीकृत किया गया।

कार्यवाही –

जनपद में अपराध की रोकथाम व चोरी की घटनाओं में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी व चोरी की घटनाओं के अनावरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 23.05.2024 को थाना नजीबाबाद पुलिस द्वारा अभियुक्तों 1. प्रदीप पुत्र पप्पू 2.कोमल पुत्र कलवा निवासीगण ग्राम समीपुर अड्डा थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर व 3. शिवम पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम जुल्फपुकारपुर गढी थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर को चोरी गये एक मोबाइल (ओपो कम्पनी) व 800/- रुपये नकदी सहित गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 411 भादवि की वृद्धि की गयी। विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता –

1.प्रदीप पुत्र पप्पू निवासी ग्राम समीपुर अड्डा थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर

2.कोमल पुत्र कलवा निवासी ग्राम समीपुर अड्डा थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर

3.शिवम पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम जुल्फपुकारपुर गढी थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर

बरामदगी-

एक मोबाइल (ओपो कम्पनी) व 800/- रुपये नकदी।

आपराधिक इतिहास अभियुक्त कोमल उपरोक्त-

मु0अ0सं0 428/2023 धारा 60 आबकारी अधि0 थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम –

1. उ0नि0 श्री नरेन्द्र कुमार थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर
2. उ0नि0 मौ0 कय्यूम अली थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर
3. का0 2043 रोहित चौधरी थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर

जनपद बिजनौर

प्रेस नोटः- थाना मंड़ावली **दिनांकः- 23.05.2024**

“ऑपरेशन स्माईल” अभियान के क्रम में थाना मंड़ावली पुलिस द्वारा गुमशुदा नाबालिग बच्चें को मात्र 03 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त विवरण –

दिनांक 22.05.2024 को पुलिस कन्ट्रोम रूम द्वारा थाना मंड़ावली पर सूचना दी एक नाबालिग बच्चा (उम्र करीब 05 वर्ष) घर का सामान लेने के लिये निकला था जो घर नही पहुंचा तथा परिजनों के द्वारा काफी तलाश के उपरान्त भी कोई पता नहीं चल पाया है। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए नाबालिग बच्चें की सकुशल बरामदगी हेतु थाना क्षेत्र में टीमें रवाना की गई।

कार्यवाही –

पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर द्वारा जनपद में अपहृत/गुमशुदा व्यक्तियों/बच्चों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान “ऑपरेशन स्माईल” के क्रम में थाना मंड़ावली पर गठित पुलिस टीम द्वारा मात्र 03 घण्टे के अन्दर गुमशुदा नाबालिग बच्चे को थाना मंडावली क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामदासवाली से सकुशल बरामद किया गया तथा नियमानुसार उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

बरामदगी करने वाली पुलिस टीम –

1.उ0नि0 श्री अनिल कुमार राणा थाना मंड़ावली जनपद बिजनौर

2. का0 1275 अंकित कुमार थाना मंड़ावली जनपद बिजनौर

प्रेस नोट – जनपद बिजनौर दिनांक – 23.05.2024

"ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के क्रम में बिजनौर पुलिस मानिटरिंग सैल एवं अभियोजन विभाग द्वारा की गई प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय द्वारा हत्या जैसा जघन्य अपराध कारित करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास एवं 1,80,000 /- रूपये के अर्थदण्ड से किया दण्डित ।

कार्यवाहीः–

अवगत कराना है कि दिनांक 17.12.2019 को दिल्ली पुलिस अभियुक्तगण 1.शाहनवाज पुत्र अलीमुद्दीन व 2.जब्बार पुत्र अब्दुल सत्तार निवासीगण कस्बा व थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर को अपनी अभिरक्षा में लेकर मा0 न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जनपद बिजनौर में पेशी हेतु लायी थी कि अभियुक्तगण 1.सुमित पुत्र जयपाल निवासी ग्राम लिलोनखेडी थाना कोतवाली शहर जनपद शामली 2.साहिल पुत्र अहसान निवासी मौ0 पठानपुरा कस्बा व थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर 3.अकराज पुत्र अकरम निवासी मौ0 रादगान कस्बा व थाना किरतपुर जनपद बिजनौर ने मिलकर पेशी हेतु लाये गये अभियुक्त शाहनवाज की न्यायालय परिसर में ही गोली मारकर हत्या कर दी थी, जबकि शाहनवाज के साथ पेशी हेतु आया अभियुक्त जब्बार जान बचाकर मौके से भाग गया था।

घटना के तत्समय मौके पर मा0 न्यायालय में कार्यरत पुलिसकर्मियों द्वारा अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए घटना कारित करने वाले तीनों अभियुक्तगण 1.सुमित 2.साहिल व 3.अकराज को मौके से ही गिरफ्तार किया गया था। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के दौरान कोर्ट मोहर्रिर आरक्षी मनीष कुमार भी गोली लगने से घायल हो गया था। घटना में संलिप्त तीनो अभियुक्तगण व फरार अभियुक्त जब्बार के विरुद्ध थाना कोतवाली शहर पर मु0अ0सं0 1124/19 धारा 302/307/224/34 भादवि पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त सुमित से बरामद अवैध असलाहों के सम्बन्ध में थाना कोतवाली शहर पर मु0अ0सं0 1127/19 धारा 3/25/27 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया था। विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे अभियान "ऑपरेशन कन्विक्शन" के अन्तर्गत मा0 न्यायालय में सशक्त एवं प्रभावी पैरवी कर अभियुक्त को अधिकाधिक सजा दिलाये जाने हेतु चिन्हित किया गया था। पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर द्वारा उक्त अभियोग की मा0 न्यायालय में पैरवी की लगातार समीक्षा की जा रही थी।

इस अभियोग में बिजनौर पुलिस मॉनिटरिंग सैल द्वारा मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गयी एवं अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप आज दिनांक 23.05.2024 को मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश, पॉक्सो अधिनियम, जनपद बिजनौर द्वारा धारा 302/307/34 भादवि व धारा 25 आयुध अधिनियम के आरोपी अभियुक्त सुमित पुत्र जयपाल निवासी ग्राम लिलोनखेडी थाना कोतवाली शहर जनपद शामली को आजीवन कारावास व 1,80,000 /- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड की कुल धनराशि में से अस्सी हजार रुपये मृतक के वारिसान तथा साठ हजार रुपये घटना में घायल आरक्षी मनीष कुमार को प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर द्वारा अभियोग के विवेचक एवं कोर्ट पैरोकार को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा ।

दोषसिद्ध अभियुक्त का नाम पता –

सुमित पुत्र जयपाल निवासी ग्राम लिलोनखेडी थाना कोतवाली शहर जनपद शामली

घटना एवं अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में तत्समय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें।

अमर उजाला

बिजनौर : सीजेएम कोर्ट में कुख्यात शाहनवाज की गोली मारकर हत्या

नजीबाबाद के बसपा नेता और प्रॉपर्टी डीलर हाजी अहसान की हत्या में था आरोपी

शाहनवाज का साथी जब्बार कोर्ट से हुआ फरार, दो सिपाही भी गोली लगने से घायल

बिजनौर। बिजनौर के सीजेएम कोर्ट में कुख्यात बदमाश शाहनवाज की गोलियां बरसा कर हत्या कर दी गई। शाहनवाज बसपा नेता व प्रॉपर्टी डीलर हाजी अहसान और उसके भांजे शादाब की हत्या के मामले में आरोपी था। शाहनवाज और उसके साथी जब्बार को दिल्ली पुलिस तिहाड़ जेल से बिजनौर सीजेएम कोर्ट में पेशी पर लाई थी।

गोलीबारी से मची अफरातफरी में जब्बार फरार हो गया, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। वारदात को हाजी अहसान की दूसरी पत्नी के बेटे ने अपने दो साथियों के साथ अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को

गोलीबारी में घायल पुलिसकर्मी।

गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में मंगलवार दोपहर 1:40 बजे यह वारदात हुई। कोर्ट में एक तरफ शाहनवाज और जब्बार खड़े थे, जबकि सामने अन्य लोगों के साथ हाजी अहसान की दूसरी पत्नी रिजवाना का बेटा साहिल, उसके साथी अफराज और सुमित खड़े हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीनों ने पिस्टल से शाहनवाज व जब्बार पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। कोर्ट परिसर में भगदड़ मच गई। अधिवक्ता व अन्य लोग भाग गए। सीजेएम ने मेज के पीछे छिपकर जान बचाई। कोर्ट में मौजूद कोर्ट मोहर्रिर मनीष ने एक शूटर को दबोचने की कोशिश की, तो उस पर भी तीनों ने गोली चला दी। गोली मनीष के पैर में लगी। वहीं, दिल्ली पुलिस का सिपाही संजीव भी गोली लगने से घायल हुआ। संवाद >> संबंधित पेज 3 व 4 पर

बिजनौर के सीजेएम कोर्ट के अंदर गोलीबारी के बाद पड़ताल करती पुलिस की टीम।

मौके से गिरफ्तार किए तीनों आरोपी

एसपी संजीव त्यागी ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद साहिल, अफराज और सुमित को मौके से गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद पुलिस तीनों को थाने ले गई। शाहनवाज के शव को जिला अस्पताल भिजवा दिया गया है। वहीं, कोर्ट से फरार हुए जब्बार की पुलिस तलाश कर रही है।

शाहनवाज दिल्ली में हुआ था गिरफ्तार

तिहाड़ से लाए थे

नजीबाबाद में इसी साल 28 मई को मोहल्ला पठानपुरा निवासी बसपा नेता व प्रॉपर्टी डीलर हाजी अहसान व उनके भांजे शादाब की गुरुनानक कांप्लेक्स के अंदर दो शूटरों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। शाहनवाज ने यह वारदात अपने गांव कनकपुर के दानिश और जब्बार से कराई थी। शाहनवाज और जब्बार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था, तब से यह दोनों तिहाड़ जेल में बंद थे।

पुलिस की गिरफ्त में एक आरोपी।

शूटर सुमित के कनेक्शन खंगाल रही खाकी

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर। शामली जिले के गांव लिलौन निवासी सुमित शातिर शूटर है। शाहनवाज की हत्या में सुमित को पकड़ा गया है। पुलिस की पूछताछ में सुमित ने कई वारदातों के बारे में बताया, जिनमें एक वारदात बहावड़ी गांव के बिजेंद्र की हत्या की बताई है। बहावड़ी गांव के सागर मलिक पक्ष की बिजेंद्र पक्ष से अदावत बताई जाती है। चार साल पूर्व मुजफ्फरनगर स्थित कोर्ट में विक्की त्यागी की हत्या के मामले में सागर मलिक गिरफ्तार हुआ था। ठीक उसी अंदाज में बिजनौर में वारदात हुई है। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शाहनवाज हत्याकांड में पकड़े गए सुमित का सागर मलिक से क्या कनेक्शन रहा है। यह भी पता किया जा रहा है कि सुमित ने हत्या की सुपारी ली, या फिर किसी बड़े बदमाश के इशारे पर वह हत्या की वारदात को अंजाम देने में शामिल हुआ।

शामली के बहावड़ी निवासी बिजेंद्र की हत्या में भी आरोपी बताया गया सुमित

सुमित पर शामली में दर्ज हैं दो मुकदमे

शामली। बिजनौर की कोर्ट में शाहनवाज की हत्या करने के आरोप में पकड़े गए बदमाशों में शामिल सुमित निवासी लिलौन पर शहर कोतवाली में हत्या और जानलेवा हमला करने के आरोप में दो मुकदमे दर्ज हैं। मंगलवार को बिजनौर की कोर्ट परिसर में हुई वारदात में लिलौन गांव निवासी सुमित पुत्र जयपाल को पकड़ा गया है। कोतवाल सुभाष सिंह राठौर ने बताया कि सुमित 2009 में दर्ज दो मुकदमों में नामजद हुआ था। पहला मुकदमा 14 अक्तूबर 2009 को जगपाल सिंह निवासी गांव बलवा की तरफ से दर्ज कराया गया था।

दो लोगों की हत्या की फैली सूचना

कोर्ट परिसर में जब वारदात हुई, तो यह चर्चा फैल गई कि दो लोगों की हत्या कर दी गई है। बाद में अफसरों ने पुष्टि कर बताया कि शाहनवाज की हत्या हुई है, जबकि उसका साथी जब्बार फरार हुआ है। काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा। हर तरफ पुलिस ही दिखाई दे रही थी। घंटों बाद तीनों आरोपियों को वहां से निकालकर थाने भेजा गया।

दिल्ली पुलिस के छह जवान लाए थे पेशी पर

दिल्ली की तिहाड़ जेल से शाहनवाज व जब्बार को एएसआई हेतुराम के नेतृत्व में पेशी पर लाए गए थे। छह पुलिसकर्मियों की गारद उन्हें लेकर आई थी। दिल्ली पुलिस ने ही उन्हें कोर्ट में पेश किया था। दिल्ली पुलिस की कस्टडी से ही जब्बार फरार हुआ है। जब्बार के फरार होने से दिल्ली पुलिस परेशान रही। पुलिस ने जजी व आसपास जब्बार की काफी तलाश की पर उसका कोई पता नहीं चला।

बेटे को चिकित्सक बनाना चाहता था अहसान

हाजी अहसान अपने बेटे साहिल को चिकित्सक बनाना चाहता था। इसी की वह तैयारी कर रहा था। अहसान की हत्या के बाद साहिल ने अपने पिता का बदला लेने की ठान ली। साहिल ने पुलिस को बताया कि अपने पिता अहसान की पिस्टलों से ही उसने साथियों के साथ घटना को अंजाम दिया है। हत्या में इस्तेमाल पिस्टल उसके पिता के हैं।

अहसान हत्याकांड में ये बने थे आरोपी

शाहनवाज पर हत्या सहित कई मामलों के 16 मुकदमे दर्ज हैं। हाजी अहसान व उसके भांजे शादाब की हत्या में शाहनवाज, जब्बार, गांव कनकपुर के दानिश, पठानपुरा निवासी खुर्शीद, आसिफ, गांव उब्बनवाला के इकरार, शाहनवाज के भाई शाह आलम, दानिश उर्फ सोनू, नगीना देहात थाने के टांडा माईदास निवासी अफजाल, मुशर्रफ कर पत्नी शबाना, शाहनवाज की पत्नी रूखसाना, जलालाबाद के मोहल्ला राहूखेड़ी निवासी दाऊद, किरतपुर के गांव मुस्सेपुर निवासी मुकीम, गांव उब्बनवाला निवासी दानिश, नजीबाबाद के गांव हीमपुर निवासी असलम, गांव कल्हेड़ी निवासी मुकर्रम व अलावलपुर नैनू निवासी इरशाद के नाम इस हत्या में आए थे। शाहनवाज के भाई शाह आलम, पत्नी रूखसाना व शबाना को छोड़कर बाकी सभी लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। ये तीनों पुलिस के हाथ नहीं आए हैं।

इसी अंदाज में की गई थी विक्की त्यागी की हत्या

संवाद न्यूज एजेंसी

मुजफ्फरनगर। बिजनौर कोर्ट परिसर में शाहनवाज की हत्या जिस तरह की गई, उसी तरह कुख्यात गैंगस्टर रहे विक्रांत उर्फ विक्की त्यागी हत्या हुई थी।

गांव पावटी निवासी विक्की त्यागी को 16 फरवरी 2015 को उदयवीर चेयरमैन व उसके परिजनों की सामूहिक हत्या के मामले में पेशी पर कोर्ट में ले जाया गया। सुनवाई के दौरान सिख अधिवक्ता के वेश में एक किशोर फाइल लेकर कोर्ट रूम में दाखिल हुआ और फाइल के बीच पेज काटकर छिपाई गई पिस्टल निकालकर कठघरे में खड़े विक्की त्यागी पर गोलियां बरसा कर हत्या कर दी। कई गोलियां लगने से विक्की त्यागी की मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद आरोपी ने

बहावड़ी के प्रधान पति को पेशी के दौरान मारी गई थीं गोलियां

पिस्टल वहीं फेंक कर सरेंडर कर दिया। हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान सागर मलिक पुत्र सुरेश निवासी बहावड़ी के रूप में हुई, जो करीब एक साल पूर्व बच्चा जेल से फरार हुआ था।

वहीं, फुगाना थाना क्षेत्र के गांव बहावड़ी (अब शामली जनपद में) की महिला प्रधान सुनीता का पति देवेंद्र हत्या के एक मामले में जेल में बंद था। 11 जुलाई 2013 को देवेंद्र को जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेशी पर लाने के दौरान हत्या की गई थी। इसमें दो सगे भाई सौरभ व सागर मलिक कचहरी परिसर में देवेंद्र के पास पहुंचे और उसके पैर छूने के बाद देवेंद्र पर गोलियां बरसा दीं।

पूछताछ की जा रही

एसपी संजीव त्यागी के मुताबिक सुमित, साहिल व अफराज ने पेशी पर आए बदमाश शाहनवाज की हत्या की है। गनीमत रही कि पुलिस ने तीनों को दबोच लिया वरना बड़ी घटना हो सकती थी। उन्होंने कहा कि घटना के दौरान कोर्ट में सीजेएम मौजूद थे। गोली चलते ही वे अपने कक्ष में चले गए। शाहनवाज की हत्या के पीछे किन लोगों का हाथ है इसका पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है। अभी साहिल ने केवल इतना बताया है कि उसने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए शाहनवाज की हत्या की है। पिता के पिस्टल से ही वारदात को अंजाम दिया है।

खून के आंसू

जो लोग बचपन की गलतियों से अपनी जवानी बर्बाद कर चुके हैं। जिनको धात, स्वप्नदोष सुस्ती कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, विचारों से ही स्खलन हो जाता हो या वे भाई जिनकी उम्र ज्यादा हो गई हो वक्त पर बीबी से शर्मिन्दा रहते हो तुरन्त मिले।

हकीम जहीर अहमद

शाहपीर गेट, मौहल्ला खटीकान, मेरठ

9837517917

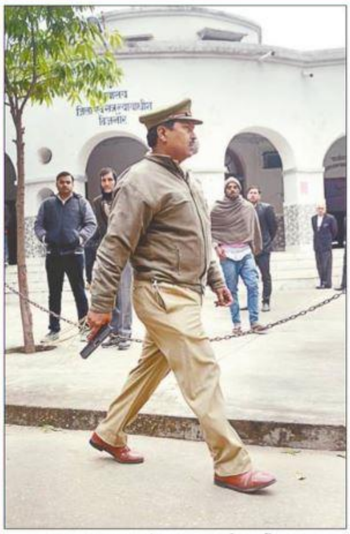

फरार बदमाश जब्बार की तलाश करता पुलिसकर्मी। संवाद

गोलियों की तड़तड़ाहट के बाद मची भगदड़

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर। सबकुछ सामान्य था। सीजेएम कोर्ट में अधिवक्ता और मुकदमों के वादी, गवाह व अन्य लोग मौजूद थे। किसी को यह आभास नहीं था कि जहां वह आराम से खड़े हैं, वहां खून खराबा होने वाला है। एकाएक दीवार के सहारे खड़े तीन युवकों ने पिस्टल निकालीं और शाहनवाज तथा जब्बार पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गोलियां की तड़तड़ाहट शुरू होते ही भगदड़ मच गई। हर कोई अपनी जान बचाकर भागता दिखाई दिया।

मंगलवार दोपहर 1:40 बजे जब सीजेएम कोर्ट में यह वारदात हुई, तो कोर्ट की कार्रवाई चल रही थी। रोजाना की तरह ही अधिवक्ता व अपने मुकदमों के संबंध में आए लोग मौजूद थे। सभी अपने काम में जुटे हुए थे। हत्यारोपी साहिल, अफराज और सुमित भी एकदम चुपचाप अन्य लोगों की बीच खड़े थे। किसी को यह पता नहीं था कि अन्य लोगों के बीच खड़े तीन युवकों के मंसूबे कितने खतरनाक हैं। जैसे

कोर्ट में सुनवाई के दौरान भीड़ में खड़े हो गए थे साहिल, अफराज और सुमित

ही हत्यारोपियों को मौका मिला, तो तीनों ने अपनी पिस्टल निकाल लीं और शाहनवाज तथा जब्बार पर तानकर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गोलियां बरसाने से कोर्ट परिसर में भगदड़ मच गई। गोलियां लगने पर शाहनवाज कोर्ट परिसर में ही गिर गया था। कुछ वकील बाहर की तरफ भागे, तो कुछ ने वहीं छिपने का प्रयास किया।

दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस के जवान भी वारदात को समझ नहीं पाए, लेकिन कोर्ट मोहर्रिर (सिपाही) मनीष ने एक शूटर को दबोचने की कोशिश की। इस पर बदमाशों ने सिपाही मनीष और दिल्ली पुलिस के सिपाही संजीव पर भी गोलियां दाग दीं। इसके बाद हत्यारोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन अन्य पुलिसकर्मियों ने दबोच लिया। सिपाही संजीव के पैर में गोली लगी, जबकि मनीष के पैर और ठोड़ी पर चोट लगी।

डीजीपी ने आईजी मुरादाबाद से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। बिजनौर में भरी अदालत में पेशी पर आए अभियुक्त की गोली मारकर हत्या के बाद डीजीपी मुख्यालय भी सक्रिय हो गया। डीजीपी ओम प्रकाश सिंह ने मुरादाबाद रेंज के आईजी रमित शर्मा से जांच करने को कहा है और पूरे घटना क्रम की रिपोर्ट मांगी है। आईजी कानून व्यवस्था प्रवीण कुमार ने बताया कि इस मामले में गहराई से जांच करने के निर्देश भी दिया गया है। उधर, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद सरकार को आड़े हाथों लिया है। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा है कि 'बिजनौर में पेशी पर आए आरोपियों की जज के सामने सरेआम हत्या ने साबित कर दिया है कि प्रदेश की 'एनकाउंटर वाली सरकार' का बदमाशों पर कितना प्रभाव है। जहां माननीय न्यायाधीश को जान बचाकर भागना पड़ रहा हो, वहां आम नागरिकों की सुरक्षा की बात करना बेमानी है।

आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

आईजी मुरादाबाद रमित शर्मा ने बिजनौर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने सीजेएम कोर्ट पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पुलिस को निर्देश दिए। जजी परिसर के अंदर हथियार कैसे पहुंचे, पुलिस की क्या लापरवाही रही, इस मामले में जांच कराकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने को लिखा पत्र

कोर्ट परिसर में गोली बरसाने के दौरान सीजेएम के गनर समेत बाकी पुलिसवाले तीनों हत्यारोपियों को दबोचा। इन पुलिसवालों को सम्मानित करने के लिए शासन को पत्र लिखा जा रहा है। शाहनवाज की हत्या को अंजाम दिए जाने के दौरान कोर्ट के अंदर तमाम लोग मौजूद थे। सुमित, साहिल व अफराज अंधाधुंध गोलियां बरसा रहे थे। ऐसे में गोली किसी को भी लग सकती थी। तभी पैरोकार विकास, सिपाही मनीष व सीजेएम के गनर रवि पवार व दिल्ली पुलिस के पुलिसकर्मी संजीव कुमार ने अपनी जान पर खेलकर तीनों शूटरों को दबोच लिया। शूटरों के हाथों से पिस्टल छीन ली।

सीजेएम कोर्ट से शाहनवाज के शव को ले जाती पुलिस। संवाद

सीजेएम कोर्ट में शाहनवाज की हत्या के बाद मौके पर पहुंचे एसपी। संवाद

थैले में पिस्टल लाई महिला, शूटरों ने बरसाईं गोलियां

हत्या के लिए शूटरों को दी गई थी गोली चलाने की ट्रेनिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर। हाजी अहसान की दूसरी पत्नी का बेटा साहिल अपने साथियों के साथ वारदात को अंजाम देने के लिए पूरी प्लानिंग के साथ आया था। एक महिला पिस्टलों को थैले में छिपाकर लाई थी। सीजेएम कोर्ट से पहले ही पिस्टल तीनों हत्यारों को दी गई। महिला हत्या के दौरान सीजेएम कोर्ट के बाहर मौजूद थी। अन्य शूटर भी कोर्ट के आसपास मौजूद थे ताकि शाहनवाज व जब्बार के भागने पर वह उन्हें भून सकें। तीनों हत्यारोपी आराम से सीजेएम कोर्ट के अंदर मौजूद थे। किसी को उन पर कोई शक नहीं था। शाहनवाज व जब्बार भी उन्हें नहीं पहचानते थे।

शाहनवाज व जब्बार की हत्या का ताना बाना 28 मई को हाजी अहसान व शादाब की हत्या के बाद से ही बुनना शुरू हो गया था। हाजी अहसान की हत्या के बाद शाहनवाज गैंग के निशाने पर किरतपुर के चेयरमैन अब्दुल मन्नान व उसकी बहन रिजवाना थीं। रिजवाना नजीबाबाद निवासी हाजी अहसान की दूसरी पत्नी है। रिजवाना बिजनौर के शीलकुंज कॉलोनी में रहती है। जबकि अहसान की पहली पत्नी नजीबाबाद में रहती है। हत्या के लिए रिजवाना के बेटे साहिल को तैयार किया गया।

सूत्रों के मुताबिक काफी दिनों से तीनों हत्यारोपियों को गोली चलाने की ट्रेनिंग भी दी जा रही थी। उन्हें गोली चलाने में पूरी तरह पक्का कर दिया गया। मंगलवार सुबह तीनों ही कोर्ट पहुंच गए। ये तीनों बिना किसी हथियार के कोर्ट परिसर में पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक एक महिला थैले में छिपाकर पिस्टल लेकर कोर्ट पहुंची। महिला पर किसी को शक भी नहीं हुआ। महिला ने सीजेएम कोर्ट से पहले साहिल, अफराज व सुमित को पिस्टल सौंप दिए। तीनों पिस्टल लेकर सीजेएम कोर्ट में पहुंच गए। चुपचाप ये कोर्ट में खड़े रहे।

बिजनौर में सीजेएम कोर्ट में शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट के बाहर जमा भीड़ और पुलिस। संवाद

हत्या के दौरान कोर्ट के बाहर मौजूद थी महिला

शाहनवाज व जब्बार की तीनों को पहले ही पहचान करा दी गई थी। सीजेएम कोर्ट में कार्रवाई चल रही थी। कोर्ट के अंदर बड़ी तादाद में अधिवक्ताओं के अलावा अन्य लोग मौजूद थे। तीनों ने कोर्ट के अंदर ही शाहनवाज व जब्बार पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। शाहनवाज को कोर्ट में ही ढेर कर दिया। जब्बार वहां से जान बचाकर भाग निकला। शाहनवाज को पीठ में गोलियां मारी गईं। उसे 11 गोली लगी हैं। सूत्रों के मुताबिक कोर्ट में ताबड़तोड़ गोली चलने के दौरान पिस्टल लाने वाली महिला भी कोर्ट के बाहर मौजूद थी। वारदात को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया। शाहनवाज और जब्बार यदि कोर्ट से बचकर भागते भी, तो बाहर मौजूद शूटर उनको ढेर कर देते।

मामले में पैरोकार विकास की तरफ से साहिल, अफराज और सुमित के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

शाहनवाज हात्याकांड

भगदड़ में जब्बार को भूली पुलिस और वह भाग गया

जजी से फरार बदमाश जब्बार

कोर्ट परिसर में गोलियां चलीं और भगदड़ मच गई। कोई अपनी जान बचा रहा था, तो पुलिस वाले हत्यारोपियों को पकड़ने में लग गए थे। इस बीच पुलिस को जब्बार का ख्याल नहीं रहा, जो शाहनवाज के साथ ही दिल्ली तिहाड़ जेल से पेशी के लिए बिजनौर लाया गया था। भगदड़ के दौरान जब्बार को भी पुलिस कस्टडी से फरार होने का मौका मिल गया और जब तक पुलिसकर्मी इस बारे में सोच पाते, तब तक जब्बार फरार हो गया था।

वारदात के बाद बंद कराया कोर्ट रूम

सीजेएम कोर्ट में हुई सनसनीखेज वारदात के बाद जब अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक हत्यारोपियों को कोर्ट पकड़ लिया गया था। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट कक्ष का दरवाजा बंद करा दिया। ढअधिवक्ता व अन्य जितने लोग कोर्ट परिसर में मौजूद थे, उनको भी बाहर निकाल दिया गया।

बोला साहिल, पिता की हत्या का ले लिया बदला

संवाद न्यूज एजेंसी

हाजी अहसान की दूसरी पत्नी रिजवाना का बेटा है साहिल

शाहनवाज को कोर्ट परिसर में मारने के बाद पुलिस से बोला आरोपी साहिल

बिजनौर। कोर्ट परिसर में शाहनवाज की हत्या के बाद दबोचे गए साहिल ने पुलिस को बताया कि अपने पिता हाजी अहसान की हत्या का बदला लेने के लिए उसने साथियों के साथ इस वारदात को अंजाम दिया।

साहिल ने पुलिस को बताया कि उसके पिता हाजी अहसान की हत्या के बाद से ही वह बदले की आग में सुलग रहा था। उसने तभी से ठान लिया था कि पिता की हत्या का बदला जरूर लेना है। इसके लिए मौके का इंतजार कर रहा था। साहिल ने पुलिस को यह भी बताया कि उसके साथ पकड़ा गया सुमित व अफराज उसके दोस्त हैं। उन दोस्तों के साथ ही उन्होंने शाहनवाज की हत्या की है। वारदात को अंजाम देने में किन लोगों ने मदद की, इस बारे में साहिल ने कुछ नहीं बताया। साहिल के अलावा पुलिस ने सुमित व अफराज से भी अलग से पूछताछ की।

तीनों एक दूसरे को अपना दोस्त बता रहे हैं। पुलिस तीनों से गहराई से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस तीनों से यह भी पता लगाने में जुटी है कि कोर्ट परिसर में उनके पास पिस्टल कहां से आए और कौन लोग उनके साथ थे। कब से वे हत्या की योजना बना रहे थे। सूत्रों के मुताबिक तीनों अभी हत्याकांड के बारे में खुलकर कुछ नहीं बता रहे हैं। तीनों को हत्या के बारे में पहले से ही पक्का कर दिया गया है कि उन्हें मुंह नहीं खोलना है। तीनों एक ही सुर में बात कर रहे हैं। अलग से कुछ नहीं बता रहे हैं। साहिल बस इतना ही कहता है कि उसने अपने पिता की हत्या का बदला ले लिया।

मां-बाप आए थे शाहनवाज से मिलने

बिजनौर। शाहनवाज की मंगलवार को पेशी के दौरान शाहनवाज के पिता अलीमुद्दीन व मां भी जजी परिसर में शाहनवाज से मिलने आए थे। वे दोनों भी कोर्ट के बाहर थे कि अचानक कोर्ट के अंदर गोली चली और बाद में इनको पता चला कि शाहनवाज की हत्या कर दी गई है। शाहनवाज के शव के साथ ये दोनों भी जिला अस्पताल पहुंच गए।

योगी राज में नहीं इंसाफ की आस : पीएल पुनिया

बिजनौर। कोर्ट में पेशी पर आए शाहनवाज की हत्या का मामला दिल्ली तक पहुंच गया है। कांग्रेस ने इसे लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय प्रवक्ता पीएल पूनिया ने कोर्ट परिसर में हत्या होने को योगी आदित्यनाथ की सरकार की विफलता बताया है फोन पर दिए बयान में पीएल पूनिया ने कहा कि वैसे तो हत्या दो अपराधियों के बीच हुई है, लेकिन खुलेआम न्यायालय में हत्या योगी सरकार की विफलता को बताती है। पीड़ित के परिवार के लोगों को कानून व्यवस्था पर इतना भी भरोसा नहीं था कि आरोपियों को सजा मिलेगी। कहा कि सरकार कानून का राज लाने के जिस एजेंडे पर आई थी वह फेल हो गया है। प्रदेश को अपराधमुक्त करना, अपराधियों के पलायन करने के बयान योगी आदित्यनाथ के खुद के हैं। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। अब न्यायालय भी अपराधियों से सुरक्षित नहीं हैं।

बिजनौर में जजी में आरोपियों के जाने के बाद एकत्र अधिवक्ता। संवाद

सीजेएम कोर्ट में शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट के बाहर जमा भीड़ और पुलिस। संवाद

बिजनौर में जजी में विलाप करती मृतक शाहनवाज की मां। संवाद

बिजनौर में सीजेएम कोर्ट में शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट के बाहर जमा भीड़ और पुलिस। संवाद

शाहनवाज की हत्या के बाद सीजेएम कोर्ट के बाहर तैनात पुलिस। संवाद

डॉन बनने की चाहत में शुरू हुई 'खूनी जंग'

नजीबाबाद की प्रॉपर्टी पर कब्जा करना चाहता था शाहनवाज, हाजी अहसान बनता था बाधक और खुद का बढ़ा रहा था रसूख

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर। हाजी अहसान और शाहनवाज के बीच खूनी जंग का सिलसिला नजीबाबाद का डॉन बनने की चाहत में शुरू हुआ। नजीबाबाद की प्रॉपर्टी व अन्य कामों में अहसान का दखल चलता था। शाहनवाज ने अपना राज कायम करने के लिए ही अहसान की अपने शूटरों से हत्या कराई थी। हत्या के पीछे कौन कौन बड़े लोग थे इसका खुलासा नहीं हो पाया है। यह राज शाहनवाज ने भी पुलिस के आगे नहीं खोला था। लेकिन खूनी खेल में दोनों की ही जान चली गई। पहले अहसान की हत्या हुई और अब शाहनवाज की।

हाजी शाहनवाज नजीबाबाद के अलावा दिल्ली में भी प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। नजीबाबाद में दस साल पहले जॉली हत्याकांड से प्रॉपर्टी को लेकर इस खूनी खेल की शुरूआत हुई थी। उसके बाद हत्याओं का सिलसिला चलता रहा। हाजी अहसान ने अपने शूटर अजमल पहाड़ी से डाक्टर शमशाद की हत्या करा दी। सूत्रों के मुताबिक अजमल पहाड़ी ने दिल्ली में भी अहसान के कहने से कई हत्याओं को अंजाम दिया। बाद में दोनों के रिश्ते बिगड़ते गए और अहसान व अजमल पहाड़ी में भी दुश्मनी शुरू हो गई थी। अजमल गाजियाबाद की जेल में बंद था। दो माह पहले ही वह जेल से बाहर आया है।

सूत्रों के मुताबिक शाहनवाज ने राशन डीलर इमरान की जब्बार व दानिश दोनों शूटरों से हत्या कराई। पहले हमले में इमरान बच गया था। इसके बाद कई और घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक शाहनवाज पूर्वांचल के सरगना मुख्तार अंसारी से संबंध थे। अहसान और शाहनवाज के बीच शुरुआत में पांच लाख रुपये को लेकर विवाद हुआ था। शाहनवाज ने अहसान से पांच लाख रुपये मांगे, तो अहसान ने आनाकानी की। तब शाहनवाज ने उसे ठिकाने लगाने की धमकी दी। सूत्रों के मुताबिक बाद में मुख्तार अंसारी के कहने पर अहसान ने शाहनवाज को पांच लाख रुपये दिए थे। हाजी अहसान ज्यादातर दिल्ली में रहता था। पिछले कई सालों से नजीबाबाद में आकर रहने लगा। तभी से शाहनवाज ने अहसान को ठिकाने लगाने की योजना बना ली थी। शाहनवाज को लगा कि अहसान की हत्या के बाद नजीबाबाद की सभी प्रॉपर्टी उसके कब्जे में होंगी। लोगों से वह आसानी से रंगदारी भी ले सकता है। इसलिए उसने शूटर जब्बार व दानिश से अहसान व उसके भांजे शादाब की हत्या कराई थी।

शाहनवाज हत्याकांड से संबंधित खबरें पेज चार पर भी –

शाहनवाज ने कराई थी अहसान व शादाब की हत्या, अब खुद मारा गया

पूर्वांचल के सरगना मुख्तार अंसारी से थे शाहनवाज के संबंध

हत्यारोपियों को ले जा रही कार के साथ सुरक्षा के लिए भागते पुलिसकर्मी। संवाद

अमर उजाला के 29 मई 2019 के अंक में प्रकाशित समाचार। संवाद

'मैं नहीं मरवाता, तो मेरी हत्या हो जाती'

पिछले दिनों पुलिस रिमांड के दौरान शाहनवाज ने इस बात का खुलासा किया था कि अहसान उसकी हत्या कराना चाहता था, इसलिए उसने अहसान की हत्या कराई है। अगर वह अहसान की हत्या न कराता तो अहसान उसकी हत्या करा देता। पुलिस ने शाहनवाज को खूब खंगाला पर वह यह राज नहीं खोल पाया कि अहसान की हत्या के पीछे किन बड़े लोगों का हाथ है। सूत्रों के मुताबिक शाहनवाज गैंग के निशाने पर किरतपुर के चेयरमैन अब्दुल मन्नान व उनकी बहन रिजवाना भी थी। अब इनकी हत्या का ताना बाना शाहनवाज बुन रहा था। पुलिस भी इसे लेकर चौकस हो गई थी।

शाहनवाज को मारीं 11 गोलियां

मृतक शाहनवाज फाइल फोटो

हत्यारोपियों ने शाहनवाज पर तब तक गोलियां बरसाईं, जब तक शाहनवाज के शरीर से जान नहीं निकल गई। तीनों बदमाशों के पास पिस्टल थीं। गोलियां लगते ही शाहनवाज गिर गया था, लेकिन उसके बाद भी बदमाशों ने शाहनवाज पर गोलियां बरसानी बंद नहीं कीं। पुलिस ने शाहनवाज का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पता चला है कि शाहनवाज को 11 गोलियां लगीं। हत्यारोपियों ने शाहनवाज और जब्बार पर हमला करने के लिए .30 बोर के पिस्टलों का इस्तेमाल किया। तीनों ही आरोपियों के पास इसी बोर के पिस्टल बरामद हुए। शाहनवाज को मारने में आरोपी कामयाब हो गए, लेकिन जब्बार कोर्ट परिसर से भाग गया था।

हत्यारोपी को कोर्ट से पकड़कर बाहर लाते सीओ। संवाद

गोली लगने से घायल सिपाही मनीष।

दैनिक जागरण

पूरी प्लानिंग के साथ दिया शाहनवाज हत्याकांड को अंजाम

जजी में दिल्ली पुलिस की गाड़ी के इर्द-गिर्द घूम रहे थे शूटर, अंदेशा होने पर दिल्ली पुलिस ने हटाया था उन्हें, चौकी पुलिस पर बैठी जांच

बिजनौर के जजी परिसर स्थित सीजेएम कोर्ट में हुई वारदात के बाद फरार आरोपित बदमाश की तलाश में पिस्टल लेकर घूमते सिविल लाइन चौकी इंचार्ज रविंद्र भाटी • जागरण

जागरण संवाददाता, बिजनौर: शाहनवाज की हत्या के लिए पूरी प्लानिंग की गई थी। दिल्ली में शाहनवाज के सरेंडर करने के बाद ही साहिल ने हत्या की प्लानिंग कर ली थी। पहले उनका इरादा कोर्ट परिसर में गाड़ी में हत्या करने का था। दिल्ली पुलिस ने शक होने पर संदिग्ध दिख रहे इन लोगों को गाड़ी के पास से हटा दिया था। मामले को परिसर स्थित चौकी पुलिस के खिलाफ जांच बैठा दी गई है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

शाहनवाज अंसारी व जब्बार ने अक्टूबर में सेटिंग से दिल्ली में सरेंडर कर दिया था क्योंकि उन्हें एनकाउंटर का डर सता रहा था। योजना के मुताबिक सुबह ही हमलावर हथियारों से लैस होकर जजी परिसर में आ गए थे। पुलिस को इसकी भनक नहीं लगी। तीनों हमलावर पिस्टल से लैस होकर घूमते रहे। करीब 11.30 बजे दिल्ली पुलिस की गाड़ी शाहनवाज व जब्बार को लेकर जजी परिसर में आ गई थी। तीनों हमलावर गाड़ी के आसपास घूम रहे थे। दिल्ली पुलिस को शक होने पर उन्हें वहां से हटा दिया गया। इतना ही नहीं बिजनौर पुलिस भी शातिर अपराधी के पेशी पर आने पर सतर्क नहीं हुई। कोई अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई।

जब्बार को गोली लगने की आशंका : प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वारदात के बाद एक बदमाश फरार हो गया। कुछ दूर तक खून के छींटे भी मिले हैं। वह जब्बार के हो सकते हैं। अनुमान है कि जजी के बाहर जब्बार के साथी लगे हुए थे। पुलिस के एक बड़े अधिकारी के अनुसार इस खूनखराबे के पीछे जब्बार भी हो सकता है। घटनाक्रम गवाही दे रहा है कि बदमाशों का टारगेट शाहनवाज ही था, यानी जब्बार को निशाना नहीं बनाया गया। पुलिस को शक है कि कई और लोग इस हत्याकांड में शामिल हो सकते हैं।

मां-बाप के सामने ही उतारा मौत के घाट

कोर्ट में जिस वक्त शाहनवाज की हत्या हुई, उस समय उसके माता-पिता भी उससे कोर्ट में मिलने आए थे। दोनों कोर्ट के बाहर खड़े थे। उन्होंने अंदर जाने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने अंदर नहीं जाने दिया। शाहनवाज के परिजन उनको बाहर ले गए। शाहनवाज की मां रोते हुए जजी परिसर से निकल गई। उसका कहना है कि पुलिस की लापरवाही से उसके बेटे की हत्या की गई।

बिजनौर के जजी परिसर में मंगलवार को हुए हत्याकांड के बाद जिला जज से मिलकर बाहर आते अधिवक्ता • जागरण

कोर्ट के अंदर हत्या से वकीलों में आक्रोश

संवाद सहयोगी, बिजनौर : सीजेएम कोर्ट में हत्या की वारदात से अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। जिला बार एसोसिएशन बिजनौर ने कुख्यात अपराधियों की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कराने की मांग जिला जज से की है। घटना के बाद आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि घटना के विरोध में अधिवक्ता बुधवार 18 दिसंबर को न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। मंगलवार को जजी परिसर स्थित बार हॉल में जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष संजीव कुमार बबली की अध्यक्षता तथा महासचिव नवदीप कुमार सिंह के संचालन में बैठक हुई। अधिवक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की गंभीर घटनाओं से वादकारी, अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी और कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान लग गया है। बैठक में जिला जज जयश्री आहूजा से मांग की कि शातिर और कुख्यात अपराधियों की कोर्ट में पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कराई जाए।

बदमाश पिस्टल लेकर घूमते रहे, पुलिस ने टोका तक नहीं

जागरण संवाददाता, बिजनौर : जजी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर मंगलवार को बड़ा सवाल खड़ा हो गया। घटनास्थल से चंद कदमों की दूरी पर पुलिस चौकी है। इसके बावजूद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई नहीं दी। जजी परिसर की सुरक्षा में एक सब इंस्पेक्टर और 11 सिपाहियों की छह प्वाइंटों पर तैनाती रहती है। उन्होंने जजी परिसर में आवाजाही करने वाले संदिग्धों को टोकना तक मुनासिब नहीं समझा। इतनी बड़ी वारदात हुई और पेशी पर आया एक बदमाश फरार भी हो गया।

बेखौफ

- एक दारोगा व 11 सिपाहियों की छह प्वाइंट पर थी ड्यूटी
- जजी परिसर में चौकी से चंद कदम दूर है सीजेएम कोर्ट

तीनों हमलावर मंगलवार सुबह ही जजी पहुंच गए थे। वे हथियार लेकर घंटों तक जजी परिसर में घूमते रहे, लेकिन किसी सुरक्षाकर्मी ने उन्हें नहीं टोका। न कहीं उनकी चेकिंग हुई। दिल्ली पुलिस की गाड़ी के पास जाने पर जरूर उन्हें पुलिसकर्मियों ने वहां से हटाया था। यदि कोर्ट मोहर्रिर मनीष और दिल्ली पुलिस के जवान ने दिलेरी न दिखाई होती, तो तीनों बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो जाते। गोली लगने के बावजूद दोनों पुलिसकर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने न्यायालय में कार्यरत कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की मदद से इन तीनों को पकड़ लिया। जजी में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं के अनुसार वह कई बार जजी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग कर चुके हैं। यदि जजी में नियमित रूप से मेटल डिटेक्टर लगाकर चेकिंग की जाती, तो शायद बदमाश हथियार लेकर जजी परिसर में घुस नहीं पाते।

आइजी पहुंचे बिजनौर

आइजी मुरादाबाद रेंज रमित शर्मा देर शाम बिजनौर पहुंच गए। उन्होंने जजी परिसर में घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद पीडब्लूडी गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की। कोर्ट परिसर में हत्या की गूंज लखनऊ तक पहुंच गई है। दिनभर आला अफसरों के फोन घनघनाते रहे। डीजीपी मुख्यालय ने पूरी वारदात की जानकारी ली। डीजीपी ने आइजी से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

अपराधियों के लिए अलग से सुरक्षा हो

संवाद सहयोगी, बिजनौर : अधिवक्ता विनोद तोमर ने उक्त घटना पर रोष प्रकट करते हुए बताया कि हत्या जैसे गंभीर अपराध में आरोपितों की पेशी के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने चाहिए। सम्भव हो तो ऐसे अपराधियों की पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा की जानी चाहिए। ऐसे अपराधियों को

विनोद तोमर •

भरी अदालत में हत्यारोपित की गोलियां बरसाकर हत्या

कोर्ट मोहर्रिर और दिल्ली पुलिस का एक सिपाही भी गोली लगने से घायल

जागरण संवाददाता, बिजनौर : अति सुरक्षित सीजेएम कोर्ट में तीन हमलावरों ने मंगलवार दोपहर हत्यारोपित शाहनवाज को गोलियों से भून डाला। इस दौरान कोर्ट मोहर्रिर और दिल्ली पुलिस का एक सिपाही भी गोली लगने से घायल हो गए। भरी अदालत में इस दुस्साहसिक वारदात को बसपा नेता हाजी एहसान के बेटे साहिल ने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए अंजाम दिया। तीनों हमलावरों को कोर्ट में ही पकड़ लिया गया। शाहनवाज के साथ तिहाड़ जेल से पेशी पर लाया गया उसका साथी जब्बार इस खूनखराबे के बीच कोर्ट से फरार हो गया। देर रात तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

बसपा के विधानसभा क्षेत्र प्रभारी व प्रॉपर्टी डीलर हाजी मोहम्मद एहसान और उनके भांजे शादाब की 28 मई को नजीबाबाद स्थित उनके कार्यालय में दिनदहाड़े गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड का आरोप कनकपुर निवासी शातिर अपराधी शाहनवाज अंसारी, जब्बार, दानिश पुत्र इरफान व उब्बनवाल निवासी दानिश पर लगा था। शाहनवाज और जब्बार की मंगलवार को इस हत्याकांड में कोर्ट में पेशी थी। दिल्ली पुलिस के एसआइ हेतराम सिंह पांच सिपाहियों के साथ तिहाड़ जेल से शाहनवाज और जब्बार को पेशी पर बिजनौर लाए थे। पुलिस ने दोपहर करीब पौने दो बजे दोनों बदमाशों को जज के सामने पेश किया। सीजेएम योगेश कुमार सुनवाई कर रहे थे। इसी बीच तीन हमलावर कोर्ट के अंदर घुसे और शाहनवाज पर पिस्टलों से गोलियां बरसा दीं। गोली लगने से शाहनवाज वहीं गिर गया लेकिन हमलावर गोलियां बरसाते रहे। इसी बीच कोर्ट मोहर्रिर मनीष और दिल्ली पुलिस के जवान संजीव ने हमलावरों को पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने उनपर भी फायर झोंक दिया। दो गोली मनीष और एक गोली संजीव को लगी। भरी अदालत में इस जघन्य कृत्य के चलते कचहरी परिसर में सनसनी फैल गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि कोर्ट में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों और स्टाफ ने हिम्मत दिखाते हुए तीनों हमलावरों को पकड़ लिया। जब्बार मौके से फरार हो गया।

पुलिसकर्मियों ने तीनों हमलावरों को सीजेएम कोर्ट में ही बंद कर दिया। इस दौरान सैकड़ों वकीलों ने कोर्ट को घेरकर जमकर हंगामा किया। एसपी संजीव त्यागी भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों सिपाहियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने कोर्ट में ही हमलावरों साहिल निवासी शीलकुंज बिजनौर, उसके साथी सुमित निवासी गांव बिलौनी खेड़ा शामली व अफराज निवासी मोहल्ला राजगान थाना किरतपुर बिजनौर से पूछताछ की। दो घंटे की मशक्कत के बाद हत्यारोपितों को कोर्ट से निकालकर थाने भेजा गया।

सीजेएम कोर्ट से हत्यारोपित अफराज को ले जाते सीओ अरुण कुमार • जागरण

वारदात

- बसपा नेता एहसान के बेटे साहिल ने दो साथियों संग की वारदात, तीनों बंदी
- तिहाड़ जेल से पेशी पर लाया गया था मारा गया बदमाश शाहनवाज, उसका साथी जब्बार कोर्ट से फरार

शाहनवाज अंसारी • फाइल फोटो

> बसपा नेता और उनके भांजे की हत्या के आरोपित शाहनवाज व जब्बार तिहाड़ जेल से पेशी पर लाए गए थे। कोर्ट के अंदर बदमाशों ने शाहनवाज की गोली मारकर हत्या कर दी। तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्याकांड को बसपा नेता एहसान के बेटे ने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए अपने साथियों के साथ अंजाम दिया है। पेशी पर आया एक बदमाश लापता है। उसकी तलाश की जा रही है।
>
> **संजीव त्यागी**, पुलिस अधीक्षक, बिजनौर

> प्रदेश में भाजपा सरकार ने कानून राज को अपराधराज में तब्दील कर दिया है। अब अपराधी सीधे कोर्ट में घुसकर गोली मार रहे हैं और जज को अपनी जान बचानी पड़ रही है। पता नहीं जो लोग उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हर रोज अपराधमुक्त प्रदेश होने के तमगे देते हैं उनकी आँखों में कौन सी धूल झोंकी गई है।
>
> **प्रियंका गांधी वाड्रा**, कांग्रेस महासचिव

जजी चौकी समेत 12 पुलिसकर्मी सस्पेंड

एसपी संजीव त्यागी ने बताया कि लापरवाही सामने आने पर जजी चौकी प्रभारी समेत 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। वहां तैनात पीएसी की रिपोर्ट भी कमांडर को भेज दी गयी है।

शाहनवाज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। कुख्यात शाहनवाज पर लूट, हत्या, रंगदारी समेत डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह पूर्वांचल के चर्चित मुख्तार अंसारी का खास गुर्गा था। साहिल किरतपुर चेयरमैन अब्दुल मन्नान का भांजा भी है। हमलावरों के पास से तीन पिस्टल बरामद हुई हैं। गंभीर हालत में कोर्ट मोहर्रिर मनीष को मेरठ रेफर कर दिया गया है। संबंधित खबरें >> पेज 4

सिपाहियों के साहस के आगे घुटने टेक गए हमलावर

जागरण संवाददाता, बिजनौर: कोर्ट के अंदर चार सिपाहियों की बहादुरी से हमलावर पकड़े गए। सभी साहस दिखाते हुए बदमाशों से भिड़ गए। मनीष ने घायल होने के बाद भी बदमाशों को नहीं छोड़ा। आखिरकार बदमाशों ने हथियार डाल दिए। चारों सिपाहियों के नाम गैलेंट्री अवार्ड के लिए भेजे जाएंगे।

जिस वक्त बदमाशों ने शाहनवाज पर गोलियां बरसाईं, कोर्ट मोहर्रिर मनीष, सीजेएम के गनर रवि, दिल्ली पुलिस के जवान संजीव व विकास मौजूद थे। चारों साहस दिखाते हुए बदमाशों से भिड़ गए। उन्होंने किसी को भागने का मौका नहीं दिया। इन्होंने हमलावरों को कोर्ट में बंद कर दिया और उनके हथियार छीन लिए। अगर बदमाश भागते तो बड़ी वारदात हो सकती थी। सिपाहियों के साहस से सभी पकड़े गए। एसपी सिटी लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि चारों सिपाहियों के नाम गैलेंट्री अवार्ड के लिए भेजे जाएंगे।

मनीष की ठोडी और पैर में लगी गोली कोर्ट मोहर्रिर मनीष के एक गोली ठोडी व दूसरी पैर में लगी है। उसकी हालत गंभीर है। मनीष बागपत के छपरौली के नागल गांव का मूल निवासी है। उसे मेरठ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, दिल्ली पुलिस के जवान संजीव को छाती के पास गोली लगी है। बताया जा रहा कि संजीव को गोली दीवार से टकराने के बाद लगी है। संजीव का बिजनौर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घायल कोर्ट मोहर्रिर मनीष • जागरण

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजी जजी, मची भगदड़

जान बचाने के लिए वकील बेंच के नीचे छिप गए, 24 राउंड गोलियां चलने से परिसर में मची अफरा-तफरी

जागरण संवाददाता, बिजनौर: हत्या की सनसनीखेज वारदात से जजी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। करीब 24 राउंड गोलियों की तड़तड़ाहट के बीच वकीलों ने चैंबर में घुसकर जान बचाई। पुलिस ने 15 खोखे बरामद किए हैं। कोर्ट के अंदर चीख-पुकार मच गई। काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। पुलिस ने शव उठाने और हमलावरों को निकालने के लिए डेढ़ घंटे मशक्कत की।

हत्यारोपित शाहनवाज अंसारी को भरी अदालत में बेखौफ तरीके से मौत के घाट उतारा गया। उस वक्त कोर्ट में 40-50 लोग मौजूद थे। शाहनवाज के ढेर होने के बाद भी हमलावर गोली चलाते रहे। कोर्ट मोहर्रिर मनीष ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान उन्हें भी दो गोली लग गईं। कोर्ट के अंदर मौजूद स्टाफ व अन्य लोग जान बचाकर भागे।

अचानक हुई फायरिंग में वकील कुछ नहीं समझ पाए। गोलियों की गूंज से चारों ओर भगदड़ व अफरा-तफरी मच गई। कोई वकील चैंबर में घुसा तो किसी ने भागकर जान बचाई। शुरू में गोलियों की आवाज के अलावा कुछ और समझ नहीं आया। जैसे ही वकीलों को वारदात का पता चला तो उनमें आक्रोश फैल गया। सैकड़ों की संख्या में वकीलों ने कोर्ट को घेर लिया। इस दौरान हमलावरों को मारने की आवाजें उठने लगीं। इस पर पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस ने कोर्ट का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। डेढ़ घंटे बाद पुलिस ने शव और हमलावरों को बाहर निकाला। वकीलों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उन्होंने सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए।

कोर्ट में मौजूद थे 40 लोग : हत्याकांड के वक्त कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। इसलिए वहां पर सीजेएम के अलावा पेशकार, स्टेनो, अर्दली, कोर्ट मोहर्रिर, पैरोकार, अधिवक्ता, वादी और मुल्जिम समेत 40 लोग मौजूद थे।

बिजनौर के जजी परिसर स्थित सीजेएम कोर्ट में हुई गोलीबारी के बाद बाहर जमा वादकारी व पुलिस • जागरण

मनीष की बहादुरी से पकड़े गए हमलावर

कोर्ट मोहर्रिर मनीष के साहस के कारण बदमाश पकड़े गए। गोली चलते ही उसने एक बदमाश को पकड़ लिया। इस पर बदमाशों ने मनीष के पैर में गोली मार दी। इसके बाद भी मनीष ने बदमाश को नहीं छोड़ा। इसके बाद पुलिस के और सिपाही भी मदद के लिए आ गए। उन्होंने तीनों को कोर्ट के अंदर ही घेर लिया। इसी बीच कोर्ट के बाहर मौजूद स्टाफ ने बाहर से गेट बंद कर दिया। मनीष हिम्मत नहीं दिखाता तो बदमाश नहीं पकड़े जाते।

बिजनौर में बसपा नेता हाजी अहसान के बेटे ने साथियों संग की वारदात

गैंगवार : भरी अदालत में हिस्ट्रीशीटर को भून डाला

बिजनौर। हमारे संवाददाता

अदालत में मंगलवार को बसपा नेता हाजी अहसान हत्याकांड में दिल्ली से पेशी पर आए हिस्ट्रीशीटर शाहनवाज और उसके साथी पर तीन युवकों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इसमें हिस्ट्रीशीटर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी जब्बार फरार हो गया। गोलीकांड में कोर्ट मोहर्रिर और दिल्ली पुलिस का सिपाही भी घायल हो गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया, इनमें से एक बसपा नेता का बेटा है। भरी अदालत में वारदात से हड़कंप मच गया।

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में हत्या के बाद कोर्ट के बाहर जमा अधिवक्ताओं की भीड़।

तिहाड़ जेल से पेशी पर लाई थी पुलिसः नजीबाबाद में 28 मई को बसपा नेता व प्रापर्टी डीलर हाजी अहसान व उनके भांजे शादाब की हत्या गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आरोपी शाहनवाज अंसारी और जब्बार को तिहाड़ जेल से दिल्ली पुलिस सीजेएम कोर्ट में पेशी पर लाई थी।

दो सिपाही घायलः वहां मौजूद कोर्ट मोहर्रिर सिपाही मनीष कुमार व दिल्ली पुलिस के सिपाही संजीव ने आरोपियों को दबोचने की कोशिश की तो उन पर भी फायरिंग कर दी गई। दो गोली मनीष के मुंह व पैर में गोली लगीं, जबकि एक गोली सिपाही संजीव के सीने में लगीं। इसके बावजूद दोनों ने कोर्ट में मौजूद एक पैरोकार सिपाही विकास, सीजेएम के गनर रवि कुमार व दिल्ली पुलिस के एक अन्य सिपाही विकास की मदद से तीनों हमलावरों को दबोच लिया। एसपी के मुताबिक पकड़े गए हत्यारोपियों में हाजी अहसान का बेटा साहिल व उसके दो साथी शामिल हैं।

संबंधित खबरें पेज 4, 5 6

जब्बार को भी लगी गोली

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर पौने दो बजे कोर्ट में कुछ वकील और अन्य लोग मौजूद थे। रिमांड पर सुनवाई के बाद शाहनवाज और जब्बार को दिल्ली पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया था। कोर्ट रूम में पहले से मौजूद तीन युवकों ने पिस्टल निकालकर शाहनवाज व जब्बार पर गोलियां बरसा दीं। शाहनवाज की मौके पर मौत हो गई, जबकि जब्बार फरार हो गया, वह भी गोली लगने से घायल बताया जा रहा है।

> पेशी पर आए शाहनवाज की गोलियां चलाकर तीन युवकों ने हत्या कर दी। हमलावरों में एक अहसान का बेटा साहिल शामिल है। पेशी पर आया जब्बार दिल्ली पुलिस की लापरवाही से कस्टडी से फरार हो गया।
> –संजीव त्यागी, एसपी, बिजनौर

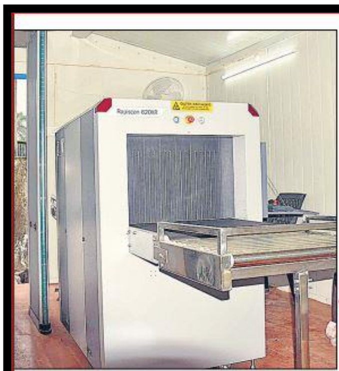

बिजनौर में कोर्ट में सुरक्षा के लिए लगाया गया मेटल डिटेक्टर शो पीस बनकर रह गया। • हिन्दुस्तान

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में बसपा नेता के हत्यारोपी शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट के बाहर तैनात फोर्स।

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में हत्या के बाद भीड़ को हटाते पुलिसकर्मी।

दुस्साहस

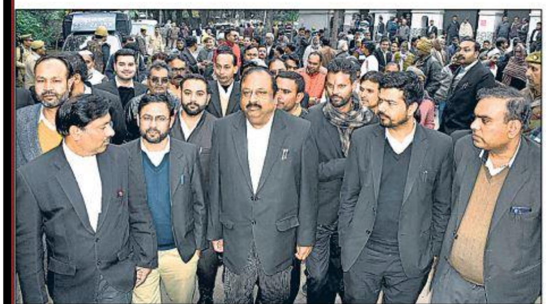

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में हत्या के बाद कोर्ट के बाहर खड़े जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी। • हिन्दुस्तान

कोर्ट परिसर के बाहर अफरातफरी का रहा माहौल।

बिजनौर में मंगलवार को कोर्टरूम में हत्या के बाद परिसर में जमा भीड़। • हिन्दुस्तान

कचहरी में कत्ल

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट रूम में बसपा नेता के हत्यारोपी शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट के बाहर जमा भीड़। ●

दहशत

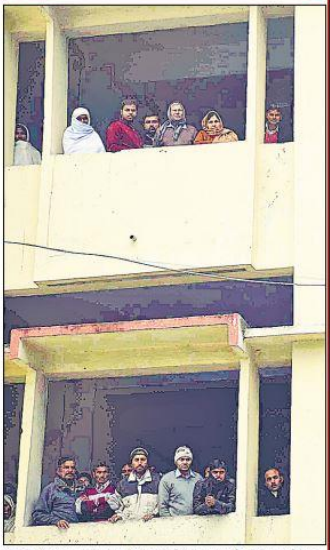

बिजनौर में मंगलवार को हत्या के बाद कोर्ट में अफरातफरी और सनसनी का माहौल बन गया, कोर्ट की छतों पर खड़े लोग।

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में बसपा नेता के हत्यारोपी की हत्या के बाद मौके पर पहुंचे एसपी निरीक्षण करते हुए। ● हिन्दुस्तान

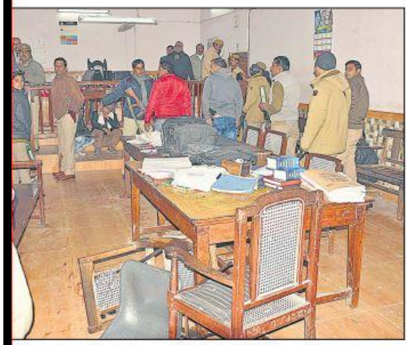

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में बसपा नेता के हत्यारोपी शाहनवाज की हत्या के बाद कोर्ट में बैठे आरोपी व तैनात पुलिसकर्मी। ● हिन्दुस्तान

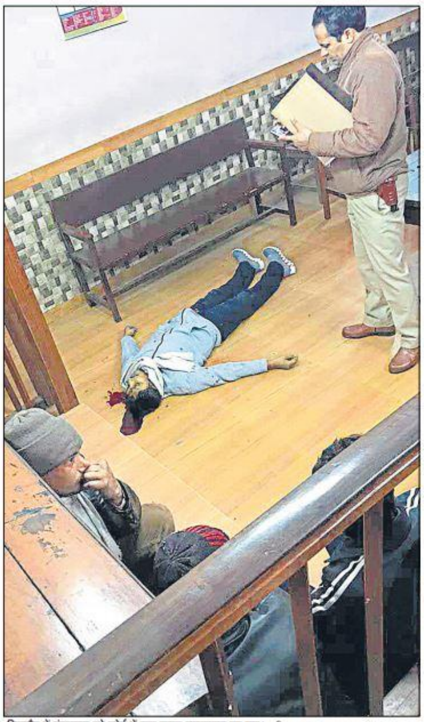

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में पड़ा मृतक शाहनवाज का शव। ● हिन्दुस्तान

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट रूम में हत्या के बाद शव को बाहर निकालते पुलिसकर्मी। ● हिन्दुस्तान

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में हत्या आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया।

हड़कंप : 17 से 18 राउंड हुई फायरिंग, मच गई अफरातफरी, सीजेएम कोर्ट के बाहर लगा वकीलों का हुजूम, हर ओर दिखी दहशत

खौफ : गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा जजी परिसर

बिजनौर | हमारे संवाददाता

अचानक चली तड़ातड़ गोलियों की आवाज से मंगलवार दोपहर उस समय जजी परिसर गूंज उठा जब सीजेएम कोर्ट में हमलावरों ने पेशी पर आए शाहनवाज और जब्बार पर गोलियां बरसाईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब 17 से 18 राउंड फायरिंग हुई। अफरातफरी मच गयी लोग इधर-उधर भागे। थोड़ी ही देर बाद सीजेएम कोर्ट के बाहर वकीलों के साथ ही लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। भारी पुलिस फोर्स भी जजी पहुंच गया।

जजी परिसर स्थित सभी न्यायालयों में मंगलवार दोपहर रोजाना की भांति कामकाज चल रहा था। कुछ वकील न्यायालयों में थे तो कुछ अपने चेंबरों में वादकारियों के साथ बैठे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब पौने दो बजे सीजेएम कोर्ट से तड़ातड़ गोलियां चलने की आवाज आने लगी। करीब 17 से 18 राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान सीजेएम कोर्ट से कुछ वकील और वादकारी भागकर बाहर आते दिखाई दिए। इसके बाद भीतर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कोर्ट रूम के दरवाजे भीतर से बंद कर लिए। अंदर क्या हुआ, इसे लेकर अफरातफरी मच गयी। मौत का मंजर देखने के बाद बाहर निकलकर आए कुछ वकीलों ने बताया, कि भीतर पेशी पर आए शाहनवाज और जब्बार पर गोलियां बरसाई गयीं हैं। अंदर कुछ और लोगों को भी गोलियां लगी हैं।

इस पर कोर्ट परिसर में अफरातफरी मच गयी। लोग सीजेएम कोर्ट के आस-पास एकत्र हो गए। इसी दौरान गंभीर रूप से जख्मी कोर्ट मोहर्रिर मनीष को पुलिस निकालकर जिला अस्पताल ले गई। लोगों में तरह-तरह की चर्चा होने लगी, कि भीतर दो या तीन लोग मर गए हैं। मौके पर एसपी संजीव त्यागी व अन्य अफसरों के आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हुई, कि भीतर तीन युवकों ने गोलियां बरसाकर शाहनवाज को मार डाला है। उसका साथी जब्बार भाग निकला। गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

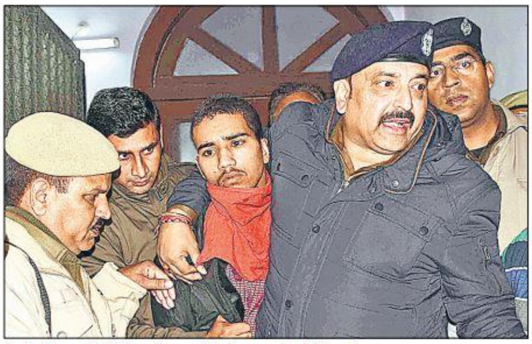

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में हत्या के बाद आरोपी को पकड़ कर ले जाते पुलिसकर्मी।

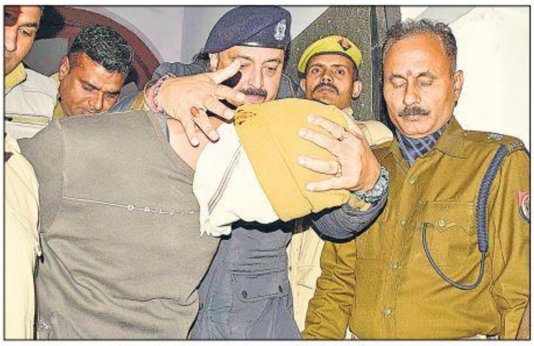

बिजनौर में मंगलवार को कोर्ट में आरोपी को पकड़ कर ले जाते पुलिसकर्मी।

पिता की हत्या का इंतकाम लेने की साहिल ने खाई थी कसम

बिजनौर | हमारे संवाददाता

साहिल ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पिता के हत्यारोपी शाहनवाज का कत्ल कोर्ट रूम में गोलियां बरसा कर दिया। वारदात की वजह पिता की हत्या का इंतकाम रहा।

दरअसल साहिल ने अपने पिता हाजी अहसान की हत्या होने के वक्त ही हत्यारोपी को मारने की कसम खा ली थी। तमाम लोगों के सामने भी उसने शाहनवाज को मारने का ऐलान किया था।

एलानिया कत्ल

- 28 मई 2019 में बसपा नेता हाजी अहसान, भांजे की हत्या
- तभी अहसान के बेटे ने मौत के घाट उतारने की घोषणा की थी

साहिल मृतक अहसान का पुत्र।

मंगलवार की दोपहर बाद सीजेएम कोर्ट गोलयों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी। कुछ ही देर में साफ हो गया कि दिल्ली तिहाड़ जेल से पेशी पर आया बसपा नेता हाजी अहसान का हत्यारा शाहनवाज अंसारी मारा गया है। मारने वाले तीनों शूटर भी कोर्ट रूम में ही दबोच लिए गए।

मारने वालों में बसपा नेता हाजी अहसान का बेटा साहिल भी शामिल निकला। सूत्रों की मानें तो अपने पिता हाजी अहसान की हत्या होने के वक्त साहिल ने हत्यारों को मारने की कसम खा ली थी। पुलिस के सामने भी साहिल ने पिता की मौत का बदला लेने की बात कही थी।

खैर, उस वक्त लोगों ने महज कुछ दिनों का गुस्सा होने की बात समझ लिया। अब कोर्ट रूम में शाहनवाज मारा गया तो साहिल की उक्त कसम की लोग चर्चा कर रहे हैं। हत्या की फिराक में साहिल काफी दिनों से लगा हुआ था। ऐसी भी चर्चा चल रही है।

कब क्या हुआ

- **1:45** बजे सीजेएम कोर्ट में गूंजी गोलियों की तड़तड़ाहट
- **1:46** बजे कोर्ट से भागकर बाहर आए भीतर मौजूद वकील व कई वादकारी, मची अफरातफरी
- **1:50** बजे भीतर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तीनों हमलावरों को पकड़ कोर्ट का दरवाजा भीतर से किया बंद
- **1:51** बजे जजी परिसर में तैनात पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे
- **2:00** बजे एसपी संजीव त्यागी व अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, भीतर सीजेएम कोर्ट में आरोपियों से पूछताछ
- **3:00** बजे एसपी ने बाहर आकर वारदात के बारे में की ब्रीफिंग
- **3:30** बजे मृतक शाहनवाज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया
- **3:45** बजे तीनों हमलावरों को स्वॉट टीम पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले गयी

फरार जब्बार का फाइल फोटो।

कोर्ट मोहर्रिर मनीष ने जान पर खेलकर बचाई कई की जान

घायल सिपाही मनीष।

बिजनौर। हमलावरों को दबोचने में अहम भूमिका कोर्ट मोहर्रिर मनीष के साथ तीन अन्य पुलिसकर्मियों की रही। मनीष ने जान पर खेलकर कई जान बचा लीं। एसपी संजीव त्यागी के मुताबिक चारों पुलिसकर्मियों के नाम गैलेन्ट्री अवॉर्ड के लिए भेजे जाएंगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावर जब फायरिंग कर रहे थे तो कोर्ट मोहर्रिर मनीष ने एक आरोपी का मफलर पकड़ लिया और इससे बचने के लिए ही हमलावर ने मनीष पर गोली चलाई। मनीष के ठोड़ी में और पैर में गोली लगी। गंभीर घायल होने पर भी कांस्टेबिल मनीष ने हमलावर को नहीं छोड़ा। उधर कोर्ट में पैरोकार कांस्टेबिल विकास, दिल्ली पुलिस के कांस्टेबिल विकास के साथ ही सीजेएम के गनर कांस्टेबिल रवि कुमार ने भी दिलेरी दिखाते हुए गोलियां चला रहे तीनों युवकों को कब्जे में ले लिया। लोगों का मानना है, कि अगर उक्त चारों पुलिसकर्मी हिम्मत नहीं दिखाते तो वारदात को अंजाम देकर भागने के लिए गोलियों का सहारा लेते।

मंगलवार के दिन ही लिया पिता की हत्या का बदला

बिजनौर | हमारे संवाददाता

इसे महज संयोग कहें या इत्तेफाक, लेकिन बसपा नेता हाजी अहसान और शाहनवाज दोनों के लिए मंगलवार का दिन अमंगलकारी रहा। इसी दिन बसपा नेता को शाहनवाज ने मारा था। वहीं बसपा नेता के बेटे के हाथों शाहनवाज भी कोर्ट रूम में मंगलवार के दिन ही मार गिराया गया।

28 मई दिन मंगलवार को बसपा नेता हाजी अहसान भांजे शादाब के साथ अपने कार्यालय में बैठे हुए थे। शाम के वक्त दो शूटरों ने कार्यालय में घुसकर गोली बरसा कर बसपा नेता और भांजे की हत्या कर दी गई थी। हत्या में दानिश पुत्र मोहम्मद सेवन निवासी उब्बनवाला को जून माह में ही नजीबाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं दानिश पुत्र इरफान निवासी कनकपुर का नाम भी बाद में सामने आया। दानिश कनकपुर को मुंबई से

मृतक शाहनवाज का फाइल फोटो

अक्टूबर में दबोच लिया गया था। दोहरे हत्याकांड में बाकी दोनों आरोपी शाहनवाज निवासी कनकपुर और जब्बार निवासी जलालाबाद दिल्ली में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए थे।

बसपा नेता की हत्या के वक्त ही बेटे साहिल ने शाहनवाज को मारने की कसम खा ली थी। अब शाहनवाज भी कोर्ट रुम में मार गिराया। हत्या के बदले में हुई हत्या में एक संयोग रहा। वो है मंगलवार। मंगलवार का दिन बसपा नेता व शाहनवाज के लिए अमंगलकारी साबित हुआ। दोनों की हत्या मंगलवार के दिन ही हुई।

दिल्ली में पकड़े गए थे शाहनवाज और जब्बार

बिजनौर। बसपा नेता हाजी अहसान और उनके भांजे की हत्या के आरोपी शाहनवाज और जब्बार की गिरफ्तारी दो महीना पहले दिल्ली में हुई थी।

मंगलवार को दिल्ली पुलिस की कस्टडी में बिजनौर पेशी पर आए शाहनवाज अंसारी निवासी कनकपुर नजीबाबाद और जब्बार निवासी जलालाबाद नजीबाबाद को बिजनौर जजी के कोर्ट रूम में गोली बरसा कर हत्या कर दी गई। हत्या का मुख्य आरोपी बसपा नेता हाजी अहसान का बेटा साहिल रहा। 28 मई को हाजी अहसान और उनके भांजे शादाब की हत्या करने के बाद हत्यारोपी शाहनवाज फरार हो गया था।

बिजनौर पुलिस ने काफी तलाश किया पर हत्थे नहीं चढ़ा। बाद में 11 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कड़कड़डूमा कोर्ट के पास से गिरफ्तार कर लिए थे।

जिस समय सीजेएम कोर्ट में घटना को अंजाम दिया गया उस समय कोर्ट के अंदर करीब 12-15 वकील थे मौजूद

पहले से ही कोर्ट के अंदर ताक में बैठे थे हमलावर

बिजनौर | हमारे संवाददाता

तीनों हमलावर पहले से ही कोर्ट के अंदर बैठे थे। मौत का मंजर देखने वाले वकीलों के मुताबिक शाहनवाज के कोर्ट के अंदर आने के बाद उन्होंने निशाना बनाते हुए गोलियां चला दीं।

जिस समय सीजेएम कोर्ट में गोलियां बरसाकर वारदात को अंजाम दिया गया, उस समय कोर्ट के अंदर करीब 12-15 वकील मौजूद थे। कुछ वादकारी भी थे। सरसरी बहस चल रही थी। वारदात के बाद बाहर निकलकर आए अधिवक्ता विश्व भाष्कर और रवि ढाका ने बताया, कि तीनों ही आरोपी पहले से कोर्ट में ऐसे मौजूद थे जैसे किसी मामले की पैरवी पर आए हों। शाहनवाज पर जब उन्होंने तड़ातड़ गोलियां चलाई तो एक बार को कुछ समझ नहीं आया। भीतर कोर्ट मोहर्रिर मनीष और अन्य पुलिसकर्मी हमलावरों से जूझते भी नजर आए। यह सब कुछ एक नजर में ही दिखा। किसी एक हमलावर को तो उन्होंने दोनों हाथों में पिस्टल लेकर गोली चलाते भी देखा। शाहनवाज गिरते हुए दिखाई दिया और वह कोर्ट में मौजूद अन्य वकीलों के साथ ही भागकर बाहर आए और उस समय अपनी जान बचाने में ही गनीमत समझी। आलम यह था, कि भीतर किसी को भी गोली लग सकती थी।

आरोपियों से एकांत स्थान पर पूछताछ

स्वॉट टीम तीनों आरोपियों को सीजेएम कोर्ट से अपने साथ अज्ञात स्थान पर पूछताछ के लिए ले गयी। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली शहर आरसी शर्मा के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में मृतक बसपा नेता हाजी अहसान का बेटा साहिल निवासी शीलकुंज बिजनौर, अफराज पुत्र अकरम निवासी राधगान, किरतपुर तथा सुमित पुत्र जयपाल निवासी लिलौनखेड़ी, शामली बताए गए हैं।

10 से 11 गोली लगी शाहनवाज को

पुलिस सूत्रों के मुताबिक हाजी अहसान के बेटे साहिल समेत तीनों हमलावरों के मुख्य निशाने पर शाहनवाज ही था। उसे ही निशाना बनाकर गोलियां बरसाई गई। उसे करीब 10 से 11 गोली लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई, हालांकि सही स्थिति पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगी।

बिजनौर में शाहनवाज की हत्या के बाद विलाप करती मृतक शाहनवाज की मां।

शाहनवाज का रहा है अपराधिक इतिहास

नजीबाबाद। बिजनौर सीजेएम न्यायालय में ताबड़तोड गोलियों से मारा गया शाहनवाज मामूली अपराधी नहीं था। जरायम की दुनिया मे आने से पहले उसने कई वारदातों को अंजाम दिया था। उत्तराखंड सहित नजीबाबाद थाना क्षेत्र में दर्ज डेढ़ दर्जन मुकदमे उसकी शातिराना छवि पर मोहर लगाते हैं। प्रापर्टी डीलर व व्यापारियों से रंगदारी लेना उसकी आदत बन गई थी। शाहनवाज ने लगभग सात माह पूर्व 28 मई को दिनदहाड़े बसपा नेता अहसान खां और उसके भांजे मौ शादाब की अपने भाड़े के शूटरों से हत्या करवा दी थी। पुलिस सूत्रों की माने तो शाहनवाज ने मामा भांजे की हत्या नजीबाबाद क्षेत्र में जरायम की दुनिया में अपना वर्चस्व कायम करना था। हाजी अहसान की दूसरी पत्नि किरतपुर निवासी के पुत्र साहिल ने अपने दो साथियों के साथ सीजेएम कोर्ट में शाहनवाज को गोलियों से भून दिया। जबकि शाहनवाज जरायम की दुनिया में बड़ा नाम बन चुका था। पुलिस रिकार्ड के अनुसार शाहनवाज पर उत्तराखण्ड, दिल्ली व उत्तर प्रदेश के कई थानो में संगीन अपराधो में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकार्ड के अनुसार लगभग दो दर्जन मुकदमें दर्ज है जिनमें अधिकांश लूट, चोरी, हत्या, रंगदारी, बलवा, आर्म्स एक्ट व गैंगस्टर आदि सहित संगीन धाराओं के तहत हैं। शाहनवाज नजीबाबाद क्षेत्र का ऐसा अपराधी रहा है।

सुनियोजित तरीके से दिया घटना को अंजाम

जजी परिसर की दिनचर्या दोपहर पौने दो बजे तक सामान्य रूप से चल से चल रही थी, जैसे ही पौने दो बजे बजे तो तीन बदमाशों ने कोर्ट रुम में गोलियां बरसा कर सनसनी और दहशत फैला दी। अंदर वकील भी मौजूद थे। किसी को भी इसका आभास नहीं था। प्रत्यदर्शियों का कहना है कि तीनों बदमाश शहनवाज एवं जब्बार के कोर्ट में पेश होने से पहले ही अंदर आ गए थे। कोई भी उनके खतनाक मंसूबे नहीं भांप सका। शाहनवाज व जब्बार की कोर्ट में यह दूसरी पेशी थी। हत्यारोपी साहिल अपने पिता के मर्डर के इन दोनों आरोपियों की हत्या के फिराक में था। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में गिरफ्तारी के बाद बिजनौर पुलिस ने जब इन दोनों को रिमांड पर लिया तो तब भी फिराक में थे, पर बिजनौर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के कारण वह घटना को अंजाम देने में नाकाम रहे।

साहिल ने पिता के हत्यारोपियों से बदला लेने शामली के लिलौन खेड़ी निवासी निवासी सुमित एवं किरतपुर निवासी निवासी अफराज को भी घटना को अंजाम देने के लिए अपने साथ मिला लिया।लिलौन निवासी सुमित का किरतपुर में आना जाना था। साहिल पिता की मौत का बदला लेने के लिए अवसर की तलाश में था। जब उसे कोई अवसर नहीं मिल तो उसने यह दुस्साहिक कदम उठाया।

प्रॉपर्टी के फेर में हो रही सिलसिलेवार हत्याएं

नजीबाबाद में प्रॉपर्टी का कारोबार जरायम की दुनिया से ताल्लुक रखता है। साल 2008 में प्रॉपर्टी विवाद के चलते पुरुषोत्तम तायल उर्फ जौली का अपहरण कर लिया गया था। जौली की हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया गया। इस हत्याकांड में डॉ. मनीष का नाम सामने आया। इस हत्या में नामजद डा. मनीष की 27 जनवरी 2011 को हत्या कर दी गई। इसके बाद कारोबारी डॉ. शमशाद को साल 2012 में मौत के घाट उतार दिया गया। इसके बाद साल 2015 के जुलाई माह में पारस पब्लिक स्कूल के संस्थापक डा. आफताब को मार दिया गया। मजीदगंज में राशन डीलर मोहम्मद इमरान को हत्यारों ने घर में घुसकर गोली बरसाकर हत्या कर दी थी। वहीं प्रॉपर्टी विवाद के चलते ही बदमाश लौंडी का अपहरण करते हुए हत्या कर दी गई थी। वहीं मोहम्मद जफर को भी गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। अब मई 2019 में प्रॉपर्टी डीलर और बसपा नेता हाजी अहसान और उनके भांजे शादाब को मार दिया था।हत्या के बदले में शाहनवाज को कोर्ट रूम में गोली बरसाकर मार दिया गया।

प्रेस नोटः- जनपद बिजनौर दिनांकः- 23.05.2024

"ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के क्रम में थाना धामपुर पुलिस एवं अभियोजन विभाग द्वारा की गई प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय द्वारा पॉक्सो अधिनियम के आरोपी अभियुक्त को दस वर्ष के कठोर कारावास व 15,000/- रूपये के अर्थदण्ड से किया दण्डित।

कार्यवाहीः–

अवगत कराना है कि दिनांक 09.01.2020 को वादी द्वारा थाना धामपुर पर तहरीर दी कि अभियुक्त रिजवान पुत्र रहूफ उर्फ गंगाराम निवासी ग्राम मौहडा थाना धामपुर जनपद बिजनौर द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री को बहलाफुसलाकर ले गया है। इस संबंध में थाना धामपुर पर मु0अ0सं0 13/20 धारा 366 भादवि बनाम रिजवान उपरोक्त पंजीकृत किया गया। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान अभियोग में धारा 376 भादवि व 04 पॉक्सो अधिनियम की वृद्धि की गयी। विवेचना उपरांत पुलिस द्वारा आरोप पत्र मा0 न्यायालय प्रेषित किया गया।

इस अभियोग में स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सैल द्वारा मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गयी एवं अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप आज दिनांक 23.05.2024 को मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) द्वारा मु0अ0सं0 13/20 धारा 363/376 भादवि व 04 पॉक्सो अधिनियम से संबंधित अभियुक्त रिजवान पुत्र मौ0 रहूफ उर्फ गंगाराम निवासी ग्राम मौहडा थाना धामपुर जनपद बिजनौर को 10 वर्ष के कठोर कारावास व 15,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

उक्त अभियोग श्रीमान पुलिस महानिदेशक महोदय, उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे अभियान **"ऑपरेशन कन्विक्शन"** के अन्तर्गत मा0 न्यायालय में सशक्त एवं प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को अधिकाधिक सजा दिलाये जाने हेतु चिन्हित अभियोगों में सम्मिलित था।

दोषसिद्ध अभियुक्त का नाम पताः-

1- रिजवान पुत्र मौ0 रहूफ उर्फ गंगाराम निवासी ग्राम मौहडा थाना धामपुर जनपद बिजनौर।

प्रेस नोटः- जनपद बिजनौर दिनांकः- 23.05.2024

"ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के क्रम में थाना हीमपुर दीपा पुलिस एवं अभियोजन विभाग द्वारा की गई प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय द्वारा धारा 323/342/34 भादवि में एक अभियुक्त को 01 वर्ष व धारा 323/342/506/34 भादवि में एक अभियुक्त को 07 वर्ष के कारावास व कुल 11,000/- रूपये के अर्थदण्ड से किया दण्डित।

कार्यवाहीः–

अवगत कराना है कि दिनांक 16.12.2015 को वादी द्वारा थाना हीमपुर दीपा पर तहरीर दी कि अभियुक्त रामौतार शर्मा पुत्र सत्यप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम केलनपुर थाना चांदपुर जनपद बिजनौर के द्वारा वादी की पत्नी को जबरदस्ती गाडी में जाना तथा दुष्कर्म करने के संबंध में मु0अ0सं0 167/15 धारा 376/342/323/506 भादवि पंजीकृत किया गया। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान अभियुक्त गोविन्द सिंह उर्फ भोविन सिंह निवासी ग्राम श्योराज सिंह निवासी घेर रामबाग कॉलोनी थाना कोतवाली शहर जनपद बिजनौर का नाम प्रकाश में आया। विवेचना उपरांत पुलिस द्वारा आरोप पत्र मा0 न्यायालय प्रेषित किया गया।

इस अभियोग में स्थानीय पुलिस एवं मॉनिटरिंग सैल द्वारा मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गयी एवं अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप आज दिनांक 23.05.2024 को मा0 न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश-IV, जनपद बिजनौर द्वारा मु0अ0सं0 167/15 धारा 323/342/34 भादवि में अभियुक्त गोविन्द सिंह उर्फ भोविन सिंह पुत्र श्योराज सिंह निवासी घेरबाग कालोनी थाना कोतावली शहर जनपद बिजनौर को 01 वर्ष का कारावास व 02 हजार रुपये के अर्थदण्ड व मु0अ0सं0 167/15 धारा 323/342/506/34 भादवि में अभियुक्त रामौतार शर्मा पुत्र सत्यप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम केलनपुर थाना चांदपुर जनपद बिजनौर को 07 वर्ष के कारावास व 09 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

उक्त अभियोग श्रीमान पुलिस महानिदेशक महोदय, उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे अभियान **"ऑपरेशन कन्विक्शन"** के अन्तर्गत मा0 न्यायालय में सशक्त एवं प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को अधिकाधिक सजा दिलाये जाने हेतु चिन्हित अभियोगों में सम्मिलित था।

दोषसिद्ध अभियुक्त का नाम पताः-

1- गोविन्द सिंह उर्फ भोविन सिंह पुत्र श्योराज सिंह निवासी घेर रामबाग कॉलोनी थाना कोतवाली शहर जनपद बिजनौर।

2- रामौतार शर्मा पुत्र सत्यप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम केलनपुर थाना चांदपुर जनपद बिजनौर

जनपद बिजनौर

प्रेस नोटः- थाना कोतवाली देहात **दिनांक 23.05.2024**

थाना कोतवाली देहात पुलिस ने वांरटी अभियुक्ता को किया गिरफ्तार।

कार्यवाहीः-

जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं वांरटी / वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 23.05.2024 को थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा वांरटी अभियुक्ता ममता उर्फ गुड्डो पत्नी अनिल कुमार वर्मा निवासी मौ0 हिन्दू कॉलोनी थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पताः-

ममता उर्फ गुड्डो पत्नी अनिल कुमार वर्मा निवासी मौ0 हिन्दू कॉलोनी थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-

1. उ0नि0 विजय कुमार थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर
2. उ0नि0 प्रशिक्षु समयपाल सिंह थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर
3. उ0नि0 प्रशिक्षु विनय कुमार थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर
4. म0का0 2149 सोनम थाना कोतवाली देहात जनपद बिजनौर

जनपद बिजनौर

प्रेस नोट – थाना स्योहारा **दिनांक – 23.05.2024**

थाना स्योहारा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 233/24 धारा 363/366/376 भादवि व धारा ¾ पॉक्सो अधिनियम में वांछित बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा मे लिया गया।

संक्षिप्त विवरण –

दिनांक 19.05.2024 को वादिनी द्वारा थाना स्योहारा पर तहरीर दी गयी कि दिनांक 17.05.2024 को अभियुक्त (बाल अपचारी) वादिनी की पुत्री को बहला – फुसलाकर अपने साथ ले गया है। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा पर मु0अ0सं0 233/24 धारा 363/366 भादवि पंजीकृत किया गया । दिनांक 20.05.2024 को स्थानीय पुलिस द्वारा अभियोग से सम्बंधित अपहृता को सकुशल बरामद किया गया। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान अभियोग में धारा 376 भादवि व ¾ पॉक्सो अधिनियम की वृद्धि की गयी।

कार्यवाही –

जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना स्योहारा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 233/24 धारा 363/366/376 भादवि व धारा ¾ पॉक्सो अधिनियम में वांछित बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा मे लिया गया। विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

गिरफ्तार/अभिरक्षा मे लिये गये बाल अपचारी का नाम व पता –

बाल अपचारी

बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लेने वाली पुलिस टीम –

1.उ0नि0 श्री कृपाल सिंह थाना स्योहारा जनपद बिजनौर

2.हे0का0 360 बृजपाल सिंह थाना स्योहारा जनपद बिजनौर